

DPN 6871

Title : दशाफल / DASĀ PHALA

Run. No. 7596

Cat. No.

Micro. No.

Subject ज्योतिषी Astrology Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. / नेपालभाषा दिशे १

Size in cms. 10 x 26.0

Folios 38

Lines (in a page) 8/9 newa direction

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor सुगतदास तुलाधर
Sugata Das Tuladhar

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu / red ink also used

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / mud धर्मदली न रक्ष्य, नः ॥

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ नमः श्री गुरु आम्ना ॥ प्रथम प्रहारा ॥ पूर्व स्तुति ॥ अथ हारा मन्त्रा आत्मा कार्य
सिद्ध ॥

समाप्ति चम्पु / colophon

इति श्री साविदेवस्य पाद विं(८२) चित्तं त्रिकं सहितं कव्यवर्गि शास्त्रं समाप्तः ॥

20

15

10

5

0

5

10

15

20

25

30

35



20

15

10

5

0

5

10

15

20

25

30

35



सनाथ ॥ विष्णु पूजा ॥ आकाश नियात रुडा पात ॥ वन १० ११ १२ २३ ३४ वान मर्द्ध वदवान
 वृक्ष रस ६३ पात १ पूजा ॥ सिमा ३ पाष ३ दश २३ वा भुकिना पूजा २ क २ दवया ३ ॥ वलि पात १
 महाका नरु मात रुया धस पूजा २ पसिमा सामग्र सुसंग ॥ २ दया दाषन ॥ वायवा निजा दित २ सूर्य उ
 दय स ६ विक ॥ ॥ स्वयंत तिका ॥ वायव पूष दवता आना धन ३ दन पात दवस्क पूजा या का ३ मल अ
 निधिरा जत या न का धर्क ना जा द भतिया का धर्क धन निजा ॥ ॥ धन तिका ॥ भुव पूष नया खग व सुय
 ना प स्वात वा ३ ६३ वा च धन ३ दन तिका ॥ रुस दन दया ३ ॥ मवत दय ३ ॥ पित व सु धा उ म ल प सु यो दि
 ॥ श्री व वायव पूष ॥ ॥ क पा स न रु सूर्य विरसा नाय निधी न रु य ३ मि ॥ २ स दवता पूजा द्या ३ न या दः
 ॥ ॥ धन ध जया ॥ ॥ ॥ अथ धूम ॥ धूमन ना म वायव उ पि दा ग ला ह लि छ क मिक धूम ला ॥ यः
 ना रि वा ना रु न पि न क पा ३ धा रु वा ना नि ग म व द पा ॥ ॥ धूम या नाग ॥ मिषा स्या क द न रु स प त स्या कः
 या स वा ज हिया क न दा ष न द ॥ दि गिया द स मी र्ण ग वा य त ला य रु ज ॥ ॥ धूम या द व ता ॥ म हा दे व द

गृह दवता वा भुकि प ध ग रु रु ग र गि नि वा नि उ छि ग रु रु दा क ज ल गं रि वां ज न मा र्ज सि मि र्ण जी का ना
 का र रु र्ण पि १० ध वि जा न लि १० अग्नि दि सा ना यो मा ग रु ना ग र्ण म र ग रु अग्नि सा ना यो वि का न ॥ ॥
 न ग भा कि ॥ ज न ध र वि ता य क पू जा यं व द द य क स म य न्या स ॥ द्वा व न स म हा का न रु डा पा त ॥ दि ष
 सी भा म न या का लि का या त स क व लि ग य हा क म र्क स र्क या र्क रु म य ता प हा क व लि पा १ वा नि या ग ॥
 खा र पा त १ न स वा र्क रु त या त ॥ रु मि नि स पू ज ३ ॥ क ल ष स व रि पा त ॥ न व स व लि पा त ॥ म हा द व रु क य
 वा म न न पू जा ॥ न स दि व रु ज ३ ६ १० १२ ३३ वा क ल ३ ३ व वा न गी क न ॥ ना ग र्क २३ ध ल ३ सि य ष
 ल यि त्या दि ले खा म २ ३ ध ल पा त ३ ३ वा ग म न रु ख ३ वा द क थ व या ना ग रु पू ज ११ क ११ पू ष लि स पू जः
 रु ध ल स पू ज २ ॥ क मा वि रु रु जा क गा ४ स म य द य क ॥ अग्नि र ग रु भा किया य मा ल ॥ अग्नि रु य द ना य दि
 ६ ॥ क य व न वि र सा ना य र्क रु द य ३ ॥ ॥ स्वयंत तिका ॥ अग्नि काला दि य हा ना ज न कि दा मी वा न क ज न
 वि ता य क पू जा आ ग म स ग रु स स म य क ३ ३ रु न धू प द रु न ॥ ॥ द न तिका ॥ का स म ल का न न क व रु ति

20

15

नसकनादवासागिनिचकइअनइगनइत॥ ॥धर्मसमस्त॥धर्मालिमखायकिंइइखादा॥जिवभाः
 तुमनलजाहा॥वीनवाचकी॥ ॥धर्मसमस्त॥धर्मालिमखायकिंइइखादा॥जिवभाः
 ऊरुमननीगमसु॥मनसुमयासर्नकेयतभक्तभक्तकीगोहवपननीगम॥ ॥सिंदयागम॥वास्यायूद
 इत्यायुगनसयादरयाइअयिअनेगलमकुइमोरयाकथनक्रागिकाक्रासमभूउसिस्थकमनववनसुयु
 उकवागयाविकानकइरचितनस्याकआमसुनयाविकान॥ ॥सिंदयादवता॥पर्वगसुमोहदवताकी
 यविभूचामसुमहाकाउछिगरिमसहाभुनहनमककपिनायेवाकोसुखतागताग्निआगमयुअयनः
 विनायकभभनरुइदवतारुपमनिधउवधनदवदवीसहिर्गमगकहातिमोर्गसहिर्ग॥यभर्मि
 ययादसिदक्षिनदिभभूदवागमान्निनेरागी॥ ॥गगभक्ति॥वभुसविभूयभभूगकजाहिमयिनपूजा
 आनगयाइ॥पर्वगसवलितयलुगमसवागमासनाकाहिमाभनदक्षिनादिसुपर्वमगाथ॥इइदवतापूजा
 वृद्धपूजा॥महाकानवलि॥हनमकपूजात्रद्वामभखानसमारदयकी॥गयनयागरुजपाग॥कनयया

10

5

गवविपाग॥भुगयागवलिपाग॥याकसपूज११इइपाग॥त्रुकिावलिपाग॥दियसराजनसकः
 नूथहाकराभयगायवलिपाग॥समभन॥सानकसअथ॥इनायपूजा॥दछत्रिसवलियागर॥कलवसव
 लिपाग॥आगमसपूजा॥वृथिक३॥३१०१४वातवखुनाकाउरुउरुकवगभनइवायइ॥दासरुतदंड
 दितिइ॥हिमातागददक्षिनदिभभूदवातनूखाकारवातनागसपूज॥किहवगभनसपूज॥तथात्रपागरु
 किनास॥विजयदंड॥दासभुगयाग॥यायइ॥जदितयचरमिगयादसि॥वृद्धवाल॥सिकधननयनअल्ले
 पिगयाकविभूद॥यायइ॥युकिन६॥ ॥सुप्रविका॥यवभन॥गिनिर्कयन॥वतसयादि॥गननयपूषना
 यनवकि॥कारिमसहिषमगकपुनूखनदिवापिमुदभक्तिआगन॥विकापानमिगवसु॥नयाकाभकरवाय
 मधूधान्नवतथगइगदयाइ॥वीनयनूखनन॥ ॥कनयनाहानितविनसाकायकनधूनादववमुक
 कादयाइ॥ ॥धर्मालिमखाय॥धर्मालिमखाय॥ ॥सानसगीगत्रकपितदावाउरुवकंदुधकतिपुदभगनग
 गागसपूज॥स्यपिदाहि॥पनारिवाता॥ ॥सानसगीग॥त्रकपितककुआयज॥सोताहिनिवाभु॥जनधपत

तगदवच

20

स्थायु गनपात तपति बाहा एगुन वयथायुडा वासुकु जयिडा दस्यु जयाद् तसका दाद् धनकाया दाद् खिवादि
 प्रयासु यरु यादखन मव नया काइ॥ ॥ स्नानया दवता ॥ नदिमहा दवक विष्ठा न ह नमाग जिह्म उलो
 कनमार्गिगिति कमात्रिमहा कात्रिपिथ निभभनस्वरु गत्रमार्गसंगमनेमस्य दिसाया आदिखवा नव
 उधिदा दसिदिवस्य मागमैत नार्ग॥ ॥ गणभक्ति ॥ जसदा नसचा कनिवपू जायं वा मग॥ महा कात्रपूजा
॥ वातिपूजा ॥ धलिवावेलियात॥ कमाह जाक ताड सधा नृग जीकायमान॥ भभनया नवलियात॥ कः
 याहगितिरूपूज नकि नषात्रपात॥ वृषिक १७७ ७ १११३ वातपया कात्र ० कथराद लसिधलमि
 हिमिदू दजार्क १ नेमस्य कनरुगताग पूज रुकिरवा नपात॥ रूगलू कृकिनिपिवा स रुजमालवसगाथध
 लसपूज रसूरुसमगविययाग रु न गामहि नेमस्य नजजराय॥ ॥ स्नानया विस्मय दाय ॥ भभनदवता
 किनमस्मानकस्य अनकात्र नवलया दोषागि॥ ॥ गणभक्ति ॥ याभभु नश्चस कासक्या दिसा॥ भभ
 नरु हाक कौमयगाय॥ लयात वा नपात इयगास सवत्रयाग कृकिपिवा स लिपाता हातया अकाह्युतायसा

15

10

5

कजगाथ वयध वसरास ददखन सखालपात॥ मालकू याथासपूज रुदिन १४ मरि॥ ॥ स्नानया सा
प्रा ॥ उरगकी सिमास्नान पश्चिगमनस्वदवता मदिष गनूतकी कनरुवा द॥ ॥ किमू गिह्मिडा जविल
मालादा दया दूधगखा नया ॥ ॥ ११ ॥ अथ वसरा॥ वषतलागम रुयक रुकार्म पादधनु वी उदरागत
 रुता॥ तपतिभषीदा क रुवागकपा रुभयकिक ४ विलेदूषा॥ ॥ वषया नाग ॥ हाकि काला जिजया
 यसा पूजा याक कथु दूजलया दूगु कलिगयातिनृगलरू ह्यादिस्मा पूजा याधमनिजा माऊ नपिदा वियूजा
 मासाजयिजा वाक्प्रमता कालकमलत कलपूज नया दलायिजा॥ लासपूज उजा॥ ॥ वषस्य दवता ॥ अक
 पिभववउषा थवक लका नमहाय गण दगुगिनी जलमार्गचो मका दवा प्रयमि वमहाकात्र पीथध
 नीया कलिग विषकयकाते दकका नदवता नागप्रभिमदिसा पीषष्ठि उदसिद हस्यति वा न आगर्ग॥
॥ गणभक्ति ॥ अक याग पिभवयातया लपात २ पूज ११ क ११ हि दूगस्य याता हास्य दमन पिता थ पि

0

5

10

15

20

25

30

35

20

15

प्रह्वन॥ चोत्रमथमपूत्रपुत्रं जान॥ लकूनकिपिचानत्रस्यविरसासाधपुत्रविज्ञानयुदापुत्रहाय
 १० नोयदि ११ ॥ गिराकृष्ण ॥ ॥ अथ भूंकृष्ण ॥ भूंकृष्ण नो ममातिद्वेकासंविधाएयं विवृण्वद
 कष्टावत्रवहानिपुनादोपोपिसावपिदापवदनिहया॥ ॥ भूंकृष्णयात्रा॥ अतिनूगत्रसदृषमासजयू
 जविषयाहयदशग्याम्भवविवादहयदयजवत्रहानिपुतिथकवायूनकवाथपिपुत्रात्रपिसावयय
 षन॥ ॥ भूंकृष्णयादवमा॥ कृष्णपात्रमाहाकात्रवृकृष्णानरुणपननादिसगमत्रादिकारगवति कोमात्र
 नदिकृष्णवृ॥ वृक्षदवमाजुगुत्रिगात्रवधराभूभानदवमाजुसान्नात्रमावासीवृक्षमित्रादृगदवमाभू
 कि॥ ॥ गमभानि॥ भूभानसुकिद्वरग्राथयाअनुवद्वरसोदगथगसकृहायमद्वयुयरुकोतजः
 भत्रपुत्रवाकृष्णकृष्णनयकवाकाजानमत्रुथयमात्रसहासूनहायद्वत्रथनमिषाद्वयदानधनजम
 द्यकउत्रिनधनजमद्वयविनत्रहातिनजानुगत्रसग्व१धकृष्णनयनसहासूरद्वसपनपात्रनच्यय

४ कृष्णाननागवृक्षथानदवता ४

10

5

कक१ ग्राथयषात्रपाशकृष्णरुजाखजाद्वानत्रिउनहागमककृष्णतापहाकृष्णयूजात्राकाथवाग
 मास॥ त्यादिदिताहसर्क१हायकंभभानसहाय॥ अथसगतवत्रिविधि॥ ॥ भानदिभानिमाकसयु
 तयैतखालपात्र१रुजायाग१नाका॥ त्यादिद्वत्रकास्येकाया॥ नागभत्रयूजादितादयकं॥ वृक्षदवमा
 यूजा॥ कत्रखसहजादितिसयूजजकजकसिहासयूज१क१क१क१पात्रमहाकात्रसवलियाग१द्व
 कासताथ्या॥ वलिकारुगवतिवलिपार॥ गलसयूजा॥ वानसाकृ१॥ कसवलिवियमालयाग१वलिः
 कक्राभमहाकात्रयूजा॥ द्रविक१३४१०१११२वृवानसीवाखदहासिहाद्वृगमद्वखत्रद्वसिज
 उद्वउमिद्वधननिखनजजजकलिसकलकाकाद्वधनसयूज१खलसवलियाग१अष्टमिजमावा
 म्या॥ भानदिभानजजनाग॥ ॥ स्वप्न॥ उयत्रिरगकृष्णययीतिमृगकभभानकृष्णजलवा
 यिद्वद्वकी॥ ॥ इह॥ जीमलोद्वृक्षमकृष्णसमासकात्रथमीमाय॥ ॥ दक्षिणत्रजखकागलनः

0

5

10

15

20

25

30

35

20

15

कुवादिना ॥ १७ ॥ पायदहं ह्यदाय कत्रहा कदत्रयथा ॥ १८ ॥ मकरचन्द्रिका दायादहं ह्यग्रात्रनिनाः
 ॥ १९ ॥ मनिनयुगदायय कुरहदहस्यपिदिता ॥ २० ॥ मीनयुगानिनादायय कुराक्रीनदन ॥ २१ ॥
 व्ययधर्मिककुरुचषयपगुहाकदा ॥ २२ ॥ हतागत्रकुरुसहस्यदायकुराहव ॥ २३ ॥ धनेकुरुकुर्यस
 सुगत्रसुयसावसकुराकुरुचवृकृतो नह्यमोतिपुकावन ॥ २४ ॥ स्रकृगुगुययाषाठपत्रकुरुययाहव ॥ २५ ॥
 कुरुसुदव ॥ २६ ॥ मृषस्रकुरुनसहय ॥ २७ ॥ तिदावनत्रकुरुन ॥ २८ ॥ मषहृगदव ॥ २९ ॥ दृषयाकुरुसपिचिसः
 ॥ ३० ॥ मिथुनवादि सहाकात्र मगुसयश मृगकयादव ॥ ३१ ॥ कुरुकुरुदाकिनि मवयादव गयन ॥ ३२ ॥
 सिहकुरुदवतो मिषात्र गुरुति आगं नोस देग ॥ ३३ ॥ कन्यामृगनदेवतायादव वाक्य ॥ ३४ ॥ उत्रवादि
 आसनडात्र सवत्रयादव ॥ ३५ ॥ विदु गमयादव धमनमानययादादशयादव ॥ ३६ ॥ धनु आगमयादवः
 दगुनीसकागयाद ॥ ३७ ॥ नायस रिमस ॥ ३८ ॥ मेकुरुत्रकाया आस दिपस नागयादव ॥ ३९ ॥ कुरु पिगनस
 रिमसन नागला कुरुयात्र ॥ ४० ॥ मीन आकासयागिरहगवति वादि ॥ ४१ ॥ तिदावन ॥ ४२ ॥

10

5

वाराह

आदिवात्रनशया अग्निदव युगतयुत मात्रया क विदु ताज वायुवादिना नयुगजकि १ तागः
 क्रीदात्रनशया अग्निदव युगतयुत मात्रया क विदु ताज वायुवादिना नयुगजकि १ तागः
 दवतायुजायय अत्रकुरुचासपित ॥ २ ॥ जगवात्रनशया आन्यापिदवता नायुजात्रनदेविक कुरुश्रुत
 अत्रनशय ॥ ३ ॥ मृगननडात्रागमिषात्र सपित मगयात ४ अत्रयासत सपित ॥ ५ ॥ वृषवात्रनशया गुरुद
 वनयुन मराहागयाउयिज कुरुमडा पददवयादव पलत्रासतयापित नकपियावनेखानसपुनडात्रा
 यतकुरुनाग ॥ ६ ॥ वृहस्यतिवात्रनशयादेगुत्रिसतयाद मगयात ७ आस नृगनमरुतिडा वासनयात
 दानवियमात्र सवतातामहिन ॥ ८ ॥ शुक्रवात्रनशया हिति पूषुत्रि वृगात्रयादवनेयदा स्यदवनपुन वत्रिषा
 त्रयात १ आसापुजा आसत्रनयुका अग्निदवननपुनमडा वाकसस्यक ॥ ९ ॥ धनेववात्रनशया कुरुदव
 नायादवत्र कुरुनायसका नायनाडा तमवायुडा कुरुमडाडा त्रका कायमात्र ॥ १० ॥ तिवात्रदायसमाफ ॥

0

5

10

15

20

25

30

35

[illegible][illegible]

[illegible]

तापक्षयति॥ गृहवति॥ ॥ २ ॥ रमा लपक्ष नवमद्विउर्ध्वराशि सफाष्टमवदसमवक्रात्यनष्टम॥ सना
पाशाकलयविद्युत्तु श्रार्थनाशं कुशलस्य श्रीरवश्चक्रातिकउ॥ केउदंद॥ तस्यमानि॥ धूमवर्षेपुष्पा
पहात्रा॥ दानसूजकेतुलावाकेतमर्क॥ शिशुकपकिप्रथातवा॥ नागवीम्व॥ धूपमेदगन्धसर्ववर्षे॥ रा
जनेक्रिनादन॥ उ॥ शोभिकेतवनमस्वादा॥ विप्रायदादद्याद॥ ऐत्रवपूजा॥ विनेगुफपूजा॥ ॥ गीति ॥
रत्नमश्रीगनशायनम॥ ॥ मं ॥ सुषड्युजमननवाकाकार्येणायर्युविदसशरधेनपोफिशूधर्मदश
पूजासत्रस॥ १ ॥ मी० ॥ नागसमस्तद्वयुत्राजिदं ॥ रत्नवस्तुलाक॥ २ ॥ मं० ॥ मान्यनाहथजदोकिजा
नन्यपत्राकलागत्राह॥ ३ ॥ मं० ॥ स्वयंमालिजास्मिनिर्त्यकनरुधनदानि॥ सत्र॥ मश॥ दामिनाहशानि
रत्नदानविय॥ ४ ॥ मं० ॥ वनरंशनाह॥ अपूर्वगूनेफिशउदानि॥ होनिधुरव॥ २ ॥ मं० ॥ उमिअसिनवा
लधनकुरुदानि॥ राजन॥ वृक्षआदिनावयु॥ रत्ननयायु॥ ४ ॥ मं० ॥ नानापकात्रनशुषम्लीनाह॥ रत्नमिमु
नाह॥ अपूर्ववस्तुकलाग॥ ५ ॥ मं० ॥ चोत्रेनधनरुनेद॥ अग्निदाह॥ राकलयसत्रित्रसपीदा॥ थजिथीति

20

स्वायवायमात्रिज्जासकिकान्तेवपूजा हाकवगदान॥८॥ **॥०॥** **॥पि॥** आराग आयुवद्विनाजनमूमा
 लवननकिश॥१॥ **॥पि॥** **॥ध॥** मनसउदग सनापदुषधनरानि विनाध॥२॥ **॥पि॥** **॥ग॥** सिधनेसुखनार धन
 म्नाश्रुदिकविदसगमन कनरुत्रियूरय॥३॥ **॥पि॥** **॥र॥** स्नाननार रुसकहिदयु व्यापारसधननार॥
॥४॥ **॥पि॥** **॥उ॥** स्वायमात्रिज्जाहिनान्नाशवायु राऊवात्रहय रिवसंमयहामचिक नथनसदानपूजा॥१॥ **॥पि॥** **॥म॥**
 धननार वमुनार हिनिसा आदिनपाफि शत्रिंरसकास स्वासत्रायनकयु॥६॥ **॥पि॥** **॥स॥** धनरानिमहिनी
 यनकयु स्वायमात्रिज्जाशुभनराऊससूनिज॥१॥ **॥पि॥** **॥म॥** चिकिधनरायदुखायउमात्रिज्जावसेनि
 माहविहोग स्निनधनदरुद भक्ति आत्रगसिमापूजा पुनापध आदान॥८॥ **॥०॥** **॥ध॥** रुमिनार साम
 सनायकशयु व्यापारसधननार **॥०॥** **॥मि॥** मिगुचिनेत्याक राऊया मान्यसुषया दोकाऊसशुदनदया॥१॥
॥ध॥ **॥ग॥** पत्रदसशत्रधननार थडाधितिज्जास्वायमात्रिज्जा शंतिशक्ति जने दान॥२॥ **॥ध॥** **॥र॥** सुखलायधश
 यु जननार पूजनार मिगुयाक धमादश राऊमनीया के कृपादश रुमिआदीनरु वृद्धिशयु॥३॥

15

10

5

॥ध॥ **॥उ॥** धनरानि कदुयात्रशयु काऊविदुशयु मिवास्याक पीदानकयु भक्तिदवक्क नागतिसातय॥७॥
॥ध॥ **॥सि॥** मिगुनार काऊसंशक उमाहडा थडाऊसंरु कनरपंवाकदयुडा॥८॥ **॥ध॥** **॥स॥** वंधनदिदुखशयु
 वीरनधनरानि शत्रनवयु न्यात्रनवयु थडाऊयासिकदयु॥६॥ **॥ध॥** **॥म॥** मंगत्रशयु व्यापारसधननार नो
 रुमान्य उमाहदि॥१॥ **॥ध॥** **॥पि॥** वावेहान रुमिनार धननार उमाहिनारय शिंरवाअ पथ राय॥
॥२॥ **॥०॥** **॥ध॥** **॥ग॥** दशदशाननगमन्य वषहय थडाऊसकनरुदुषमासाकशत्र॥१॥
॥ग॥ **॥ग॥** गमनिगमना भगनरुकिश विद्यामान्यनार॥२॥ **॥ग॥** **॥उ॥** कनादिसुत्र सत्रिंरश्रुति थडाचिधि
 शविनाध धनरानिदुष॥३॥ **॥ग॥** **॥सि॥** आरागधवधिनार काऊसिधि सुदुमारुल॥४॥ **॥ग॥** **॥स॥** वृंदान
 मनधनरानि दुषशयु रनामानलायुडाऊन॥१॥ **॥ग॥** **॥म॥** मधमरुत दुर्वका दुर्वशन मान्यदयु॥६॥
॥ग॥ **॥पि॥** कस्यफुति स्वात्रस्याक किसिआदिनी सत्र मसधु थुगिकसंकटहय॥१॥ **॥ग॥** **॥ध॥** रोगश्रु
 पूर्वधननार राऊमान्यदश शंकट सुकृहेद॥८॥ **॥०॥** **॥ग॥** **॥म॥** **॥र॥** जगनार श्रुथनार धमरु

0

5

10

15

20

25

30

35

20

नि.पत्ररु.सवि.सुनि.धनरु.॥ १ ॥ **र.उ.** ॥ वादनविवादन.ल्लायमात्रिडा.श्रुक्तिराग.वाक्यभस.मात्र.तमा
 लि.अ.धनरु.नि.॥ २ ॥ **र.सि.** ॥ कायभा.चारवानि.मि.गा.दि.सु.ष.मान.मि.रा.र.रु.वृ.धि.उ.त्सा.द.॥ ३ ॥
र.हा. ॥ विवक.हानि.उ.व.त्र.वि.ग.सु.क.मा.हा.दि.व.ं.श.नि.मि.या.क.त.ज.स.क.त.॥ ४ ॥ **र.म.** ॥ रु.हा.क.
 र्हि.वा.पा.त्र.स.ध.न.त्र.र.सु.ख.मान.व.वृ.द.व.या.क.ध.म.त्र.स.॥ ५ ॥ **र.पि.** ॥ पि.त.न.ग.र.य.स.क.या.व.न.
 रु.हा.स.स.मान.थ.यि.स.र.ह.द.दु.द.न.॥ ६ ॥ **र.थ.** ॥ नृ.प.स.र.ह.द.धु.र.का.त्र.ध.न.त्र.र.त.य.वृ.धि.वा.पा.त्र.स.र.
 स.मान.॥ ७ ॥ **र.ग.** ॥ हि.दा.उ.रा.ग.मि.न.यू.क.र.त्र.र.य.रु.व.या.र.व.न.ल्लाय.मा.त्रि.डा.त्रि.पू.र.य.अ.न्य.अ.व.न्धु.
 ज.सु.ष.ध.न.स.रा.र.सु.ष.॥ ८ ॥ **र.मि.र.दि.को.** ॥ ९ ॥ **र.सि.** ॥ का.र्य.हानि.अ.प.र.स.उ.द.ग.डा.
 व.उ.क.हानि.सु.फि.वि.क.रा.र.र.य.स.र्या.का.र.स.क.र्ता.दा.त.वा.॥ १० ॥ **उ.सि.** ॥ का.र्य.हानि.अ.प.र.स.उ.द.ग.डा.
 त्रि.त्र.पि.दा.इ.र.वा.वि.द.ग.म.न.य.सु.ख.भानि.ति.थ.मि.न.उ.द.य.मि.दा.त.वा.॥ ११ ॥ **उ.सि.** ॥ इ.व.र.य.मि.नि.मि.र.
 न.क.र.र.पू.गु.ज.दि.न.क.र.र.ध.न.वृ.धि.हानि.रु.वृ.स.हानि.॥ १२ ॥ **उ.म.** ॥ सु.वृ.स.न.वृ.दा.न.न.॥ १३ ॥ **उ.म.** ॥

15

10

5

मा.हा.दि.रि.द.ध.न.ल.र.वा.पा.ल.स.रि.हि.सु.ख.रा.ग.॥ १४ ॥ **उ.पि.** ॥ क.कृ.ज.दि.न.वा.ल.इ.यू.मा.
 ल.स.का.क.रु.वृ.स.भ.क.न.क.उ.उ.धं.हा.स.उ.इ.य.मा.लि.डा.॥ १५ ॥ **भा.कि.** ॥ सूर्य.कि.म.त.ग.मु.दा.न.॥ १६ ॥
उ.धं. ॥ या.हा.स.न.र.स.इ.वा.हा.स.सु.ख.म.इ.वा.त.क.रु.रा.ग.ध.पि.ठ.ल.प.कि.प.गु.थ.ज.क.स.क.न.र.॥
भा.कि. ॥ द.व.यू.जा.स.ने.दा.न.॥ १७ ॥ **उ.ग.** ॥ उ.द.ग.ज.दा.न.म.न.स.मा.हा.उ.न.मा.ल.थ.वा.न.मा.ल.थ.
 रु.म.ग.ज.भ.ग.त्र.र.य.अ.त.क.वृ.ध.न.ना.ता.इ.व.उ.डा.॥ १८ ॥ **भा.कि.** ॥ कू.मा.त्र.मू.रु.हि.यू.जा.हा.म.॥ १९ ॥
उ.र. ॥ मि.रा.ज.दि.कू.स.स.व.य.व.रु.हानि.वा.पा.ल.हानि.अ.थ.वा.थ.डा.कू.स.मि.ग.या.अ.मि.त.र.मि.
 सु.ख.य.य.॥ २० ॥ **भा.कि.** ॥ र.मि.दा.न.व.का.दि.सु.वि.रा.व.ता.॥ २१ ॥ **रु.ग.उ.ल.का.** ॥ **सि.** ॥ थ.डा.कू.ग.
 म.यू.र.ज.दि.न.वा.त.यू.क.न.ध.न.स.अ.न्य.वा.का.य.ज.दि.थ.डा.हा.य.वा.न.द.यि.डा.हा.कू.क.व.रु.लि.ला.
 क.॥ २२ ॥ **स.स.** ॥ ना.ज.र.य.धू.न.ख.य.ज.मि.द.न.कू.ध.न.अ.न्य.हानि.प.त्र.द.भ.स.सु.ख.यू.क.स.नी.ल.

0

5

10

15

20

25

30

35

20

मान्यदशोऽश्विनि ॥ कृत्स्नान् कर्मणा दण्डितं संपादयन्ताव ॥ २ ॥ **सि** ॥ भक्त्यातिमान् यार
 सुखमिण्कायमावाद्युः शरमायसीसवित ॥ ३ ॥ **सि** ॥ अग्निकाधितमिनयूयअभक्त्यायः
 शकमेवयावकु कसुतगिरासूय कर्षोदीसूयविन्वाअर्धदोतवृद्धदवक्कपक्षमृगयूजा ॥ ७ ॥
सि ॥ साधुधर्मवारु उपका प्रजसु तिभययाक आसामर्थदअधनवारु ॥ ८ ॥ **सि** ॥ भक्त्याये
 प्रनक्तोवक्तविदगगमनराजविमूखादिउत्पागरय ॥ भक्तिगीर्थसज्जर्घवियरुलनासाः
 इइत ॥ ९ ॥ **सि** ॥ तानावकुलागीसंगलानि विअयमातिगुलसंपदिदअराग्यआयुदधि
 ॥ १० ॥ **सि** ॥ धनधन्यादिहानिअतिइखइयअसायमालिअपत्रुनिमिरुनरुयविग्रह ॥
 भक्तिनागपूजयूयविसुविहृदान ॥ ११ ॥ **सि** ॥ तिभयनयूसियारुयइदभखा
 गधनहानिहयापतिसाकतहभक्तिमसधेदानजहूमामज्जहतिहवर्तुदान ॥ १२ ॥

15

10

5

सि ॥ शिवायभाउदत्रयादि यधनिनदानशकुपिदा कषनकार्य ॥ भक्ति ॥ द्युतकूमदुदान ॥ १३ ॥
सि ॥ आचार्यानिवमुहानि शोकाउत्यतिशयकुयाजयइयूधजानयैशविशोधभक्ति विसरायनाः
 कसराशानिपात्राहंगनदान ॥ १४ ॥ **सि** ॥ पथशगुलमनदुषेवियूहपाया ॥ मिगुनगोत्रयूज्ञात्र
 थशकुशसुषभक्ति ॥ दधवगोपूजाचत्रात्रुपदान ॥ १५ ॥ **सि** ॥ उधकास्यइयउमात्रिशयादोयापा
 वशहानिकवमुक्त्वह्लाकत्रागनकयिअभक्ति सादानविहामत्रगुत्रयातवमुदान ॥ १६ ॥ **सि** ॥ विद्या
 आदिनवमुतिसात्रारुतिराजमान्ययायूचुक्रमनूकडाखायमात्रिशभक्तिपाथाननी ॥ १७ ॥ **सि** ॥
 च्छुद्वपसूपाहनमाकक्रातिशदाशयात्रइयूभुतिरमचायूत्राहननाशइयूभक्ति कात्रहागतहिदा
 नगिर्थसनोन ॥ १८ ॥ **सि** ॥ उस्मादि विहायवमुकलिराकथशकायन्नावथशकससूषमननष
 दक्षासिधयू ॥ १९ ॥ **सि** ॥ तिसंकतादसा ॥ २० ॥ त्रशुवृषासविमंत्रथतदिनयाभक्त ॥ २१ ॥
 त्रवृषाभुमेशवृत्राथनरातियाभक्त ॥ २२ ॥

0

5

10

15

20

25

30

35

ध्या	धृ	धृ
याद	सिन्	नं
ग		सि
ज्ञान		दक
ष	व	स्वा
पृथ	नाहि	ग्रीव

४ विना युक्त न	१ द	२ व
३ न		४ न
५ न	६ न	७ न

क कोननदनविय, कोननदानविय, हनिनिगपु, कहायप

॥ ददतायुतायिनवसदानविय ॥

धृ वरुण
 धृ कनेरु
 सि नय
 सा मधु
 वृ यासि
 ध देवपिदा
 न रुचिद्रय
 धृ शु न

20

15

10

5

विष्णुसहस्रनाम ॥ १ ॥

१ पीतवस्त्रदानवियः सुदधनायुक्ता गुरुस्त्रिपुङ्गवा नागपुङ्गवा ॥
 २ सगुप्तपुङ्गवागुह्यपतिवियः सुविसेपुङ्गवा इवामिसेपुङ्गवा ॥
 ३ इव पेननागशयू आत्रस्यशुक्लशायू कृतात्मस्थायमात्रिडा ॥
 ४ मानाविशस्य सुमिसुरधनवसादिः श्रुतनाह ॥
 ५ नागिनीकरद्वाराकृत्य दशश्यामयायमात्रिडा कृतात्मस्थायमात्रिडा आत्रशयू मिषाशायू सनयुक्तयुक्ता
 ६ करद्वयः सुपुङ्गवास्थायमात्रिडा कृत्रयननमात्रिडा ॥
 ७ इतद्वसुस्यतमदयू रुद्रसुवदयू वसुनाहदयू लिङ्गा मुजा वदयू ॥
 ८ शिवायकनकरद्वारादयू सकृयातय ॥
 ९ इनामानननिरनविनागशयू वनविनागा रुद्रस्थायमात्रिडा श्यामशायी मनमन्त्रासकयू ॥
 १० विवाहदयू भवयाक मन्त्रात्रिडा मुजाकरद्वारा श्यामशायू मनसद्वदयू हानिरुयू

पञ्चमनी ॥ सिंघ
 किम् ॥ खनमाहप
 पञ्चमनी ॥ सिंघ
 किम् ॥ खनमाहप
 पञ्चमनी ॥ सिंघ
 किम् ॥ खनमाहप

११ अथमानकयू श्यामशयू अत्रिडा कृत्रयननमात्रिडा ॥
 १२ सादातवियः सुविसेपुङ्गवा इवामिसेपुङ्गवा ॥
 १३ गलनपुङ्गवायाय पलका सादातविय ॥
 १४ सगुप्तपुङ्गवाकृत्य पालका सादातविय गलनपीथपुङ्गवा ॥
 १५ सलंकयुक्तलदातवियपी ० सपुङ्गवा आगमसपुङ्गवा ॥
 १६ पाथयागकमाल लं अत्रवकुदातविय आकाशालिकजागुवाहासपुङ्गवा ॥
 १७ भयभक्तस सगनवायवकुदातविय महाकात्रसपुङ्गवा गयलविलिर्वरे रेवकपुङ्गवा ॥
 १८ अततवसुवलिवायथ अहसवलिविय ॥
 १९ आनागिणसद्वदयू शयू शयू इववियः धनमानद्विपञ्चक मन्त्रा ॥

यनागधनान्धननननाग रुद्रदि
 ननागशयू श्यामशयू अत्रिडा कृत्रयननमात्रिडा ॥
 वापिमार्गना गलनपुङ्गवायाय पलका सादातविय गलनपीथपुङ्गवा ॥

मानदस सुगत दासया संकलनं
आशा सद्-कथिमात उपहार !

१९०८

20
15
10
5
0

मन्त्रः वंद्या मा
विग्राहः मा मा क्रु
धन्यायाः व मा युवनी
शामनिः श्र मा उचि
हृदिकाः व मा धासिस
उकाः श्र मा हिमिस
सिद्धः श्र मा अमत्रिक
संकताः श्र मा वपासि
नयागदह
नोखोमाससिद्ध
मा सोयलमसव
म पुका युसा
व ०० नोका
र पिगवेलि
श कयगु सनरु
म मासकयगुसा
न स्वाग स्वश ना
क कोनग वयविशो
न नुक्रुग सिद्यास
मन्त्रः वंद्या मा
विग्राहः मा मा क्रु
धन्यायाः व मा युवनी
शामनिः श्र मा उचि
हृदिकाः व मा धासिस
उकाः श्र मा हिमिस
सिद्धः श्र मा अमत्रिक
संकताः श्र मा वपासि
नयागदह
नोखोमाससिद्ध
मा सोयलमसव
म पुका युसा
व ०० नोका
र पिगवेलि
श कयगु सनरु
म मासकयगुसा
न स्वाग स्वश ना
क कोनग वयविशो
न नुक्रुग सिद्यास

वृक्ष ३	वृक्ष १	वृक्ष १२
वृक्ष ९		वृक्ष १०
वृक्ष ९	वृक्ष १	वृक्ष १०
वृक्ष ९	वृक्ष १	वृक्ष १०

चतुर्लगत	द्विचतुर्लगत	द्विचतुर्लगत
१.५.१.१०	२.२.५.११	३.६.२.१३
पुनर्वसन.१.२.२.१.२.१	सि.२.३.६.५.१.१	

धूम्रियाधु॥ मन्त्रवस्तु शिववस्तु

मित्रायाक ननासदयुत्तायमालिजामृज्यालयधननासशय॥
मृकृष्णतयागशयधननासलोकतकयिजसज्यालयधनकैजलस्यायमृकृतय॥
धननासदयुत्तायमालिजामृज्यालयधननासशय॥
मान्यतासहातिमन्त्रनशयमृकृतयधनहातिनाऊरयनाताकार्यहाति॥
मित्रकैनाश्रिदयुधननासदयुत्तायमालिजामृज्यालयधननासशय॥
कृतसमजायुधनपूजावमन्त्रिदमत्यागकायक्रोधायायमालिजामृज्यालयधननासशय॥
नाआनागशयविधियकयनागलकयुखविर्तइखदयुखविर्तसखशय॥
कधननासशयमृकृत्यातागयालयमकुतद्यालयरुमियातिमिर्कितरयधनहाति॥
मृकृत्याविश्वदातवियगीनकायदातवियपीथसकृजा॥ मानवस मुनस दासया संकलनं
मृकृत्याविश्वदातवियगीनकायदातवियपीथसकृजा॥

20

वडविष्णुदातविय, लखसपूजा ॥

नाकथतदातविय, नतदातविय, कालिकापूजा, जालवितायकपूजा ॥

ॐ दवेतापूजा, पाथयागकमाल, यापालागित, दवपूजा ॥

सुवर्णपुगदान, हाकसात्रवतगुड, दातकात्रेपूत्रवदान, त्रैवत्र, लाहादलुदातविय, धिथसपूजा ॥

ना ॐ दवेतापूजा, महाकालपूजा ॥

क उमामहेश्वरपूजा, कलखसवलितय ॥

15

आ नागताक, दुषिद्वखय, लोकनकय, लाकडावापलायैयल्य, नागालात्रय, शयू, नक्याहय

व पतनाय, कितदह, मिताज, तस्याय, दरुपीदा, धर्महोति ॥

ज पतनाय, अर्थनाथ, जत्रवा, भस्त्राय, जालतपूय, ऊसपीदा, शयू, धनहानि, निरुय ॥

10

व मिषास्याकदयू, पाथभस्यायू, ज्ञाननपूय, कुण्डपिदा, शयू, धनहानि, निरुय ॥

र दुवापायात, अर्थसिधि, धम्ममान, नोहदयू, हेमिनोह, समिगुनाह ॥

ग धनप्रथमान, नोहशकुहीन, धनाकर, जनायू ॥

न मुपूग, शकुपिदा, धनहानि, करदवाद, मुपूगसियु, जालय, पाथभ, नागदयू, काकविनाश ॥

ना जीवनास, धनहानि, करदयू, दुषविपति, शयू, धानवनिडा ॥

क शाकसनाप, धनहानि, कुमात्र, मनदयू, शत्रिप्रस, आनस्य, शयू, शाकनकयू ॥

5

गुह्यपिदानविय, अर्थदि, सर्वर्षादिदानविय, कारहोत्रवद, नू, मकपूजा ॥

प्रयायनदानविय, शंभुदानविय, नागपूजा, पूजता ॥

नाकूदानविय, पञ्चत्रय, ऊउवसू, दानविय, नात्रायनपूजा, पूजता ॥ गनसपूजा ॥

१ धन होनि

五

५. भूतपूजकाय न कानिदानी वयः खानि न सः पूजय ॥

१२	३४	५६
७८	९०	११
१२	१३	१४
१५	१६	१७
१८	१९	२०
२१	२२	२३
२४	२५	२६
२७	२८	२९
३०	३१	३२
३३	३४	३५
३६	३७	३८
३९	४०	४१
४२	४३	४४
४५	४६	४७
४८	४९	५०
५१	५२	५३
५४	५५	५६
५७	५८	५९
६०	६१	६२
६३	६४	६५
६६	६७	६८
६९	७०	७१
७२	७३	७४
७५	७६	७७
७८	७९	८०
८१	८२	८३
८४	८५	८६
८७	८८	८९
९०	९१	९२
९३	९४	९५
९६	९७	९८
९९	१००	१०१

[illegible]

यथाद्वयम् ॥ ११ ॥

आ मान्यराह, तन्मित्रराह, रुद्रावधि, वसु, राह ॥
 व नुस्यराह, धनमित्र, रुद्रा, विशाखा, शकु, दानि
 प्र अर्थराह, रुद्रा, राह, मान्य, धन, रुद्रा, पाणि, शकु, दानि, मज्जा, मज्जा, दगु, धन, तन्मित्र, राह, यक, राह
 व धन, यक, मि, मि, राह, मज्जा, मज्जा, राह, धन, पाणि, राह, राह ॥
 य अर्थ, सो, लान, राह, धन, विशा, यक, वसु, नाना, राह, या, का, का, सि, धि ॥
 शु यक, अर्थ, अर्थ, राह, धन, मान्य, मि, व, मज्जा, मज्जा, तन्मित्र, पाणि, मि, राह, स, उ, दानि
 श नाना, धन, राह, मान्य, शकु, दानि ॥
 ना नाना, धन, मज्जा, मि, शकु, मान्य, शकु, दानि, मि, राह, धन, पाणि ॥
 क नाना, राह, लान, धन, वसु, सू, वना, दि, राह, अर्थ, राह ॥
 आ अर्थ, राह, राह, राह, शकु, अर्थ, मज्जा, मज्जा, धन, दानि, नू, गन, इ, इ, वसु, नाना, धन, वसु, अर्थ

॥५३॥

ॐ नमो भगवते ॥ १२ ॥

[illegible]

३॥
नानदास सुगत दासया संकलनं
दाया सफु-कुशियात उपहार !

20

15

लार्जि पात शीतल विद्या हा कर्षार्ज रा. थ. थ. तसु नाषूनू मनि. मरि न. थया विन ॥ ते ॥ **चुन** च
 हासुत्रमइ नाना मोहि दशममहाक सुशन संकुत्रिने. कुदननेने कुनि. मयवडा. दूदयके मनदडा काय
 दूरदडा दाम दूनाए वधु दर्शनदडा. थया विन दया राहा नश्यावड ॥ १० ॥ **अमय** ॥ चुन मन
 शकयु रडा. त्रिथारिक मयादाडा. आनद. रयडा. उवा नारदयुव. हायमनडा. वधुनापेनायडा. चिन
 बाकडा. यावदय चुन ॥ ११ ॥ **अयय** ॥ चुन मन सविकल्पदय मिधु. रा. महीद राधक. सपतिरु
 कनिमनामि पुन वानि चुन वा. कोशिदिशयु. कुंठववधि धनेवधि. अन्यंगव मुकशयडा. गनडा
 पूनामात्र मीयाकावन. विद्याकावनदष. कुंठोद्येनकवददडा. थचिन चुन ॥ १२ ॥ **अवव** ॥ चु
 नकेमिशांनेपतिवृत्तरे. रक्षा. शो. चिक. रागुमनडा. चुनडा. कुमयु. काकासिधिरयु. चुन गपकात्र
 नचुन लानिह. कु. वंधु. प्राप्ताशयु. गनडा. पूनामात्र. का. का. मात्र. वनडा. रायिडा. ॥ १३ ॥ **अय अ** ॥ थका
 रमसिधुगादगा. चुन मया. हिदयु. नषव. साहिनतसिधयु. धनधान्य कायमात्रा. कुंठ. चुन मया. व
 वाश. सगमनस. स्वप्न. पर्वन. मास. हासु. राहा नडा. कुंठकन. थ. न. आदिनेषदा ॥ १४ ॥ **अदय** ॥ थय

10

5

शोजन असुवात्र सत्रमदयक रुधयायमरुथं थकार्य कसुन उनासधयु. रिंकारु कल्यान कन्यात्रा. र
 रुयु. मांसागुश्याधका. का. का. ॥ १५ ॥ **अव अ** ॥ थका. रुयाय. चुंमरु. नाकोत्र. अयमानडा. व. रिंमि. कु
 रातडा. शिधयु. दावयावनन. पत्रउपकात्रयाडा. सपतिरायिडा. रिंमिसानापनाक. चुंनोपनाक. कि
 सिषदा. ॥ १६ ॥ **ववव** ॥ चुन मन सुंलायासिधयिडा. दवयावनन. शकुत्रिन. र. रु. तपाडा. जयवध
 नडा. नचुन मन सदडा. इरुन. सगश्याइव. दव. थ. थ. थि. ति. खा. दादडा. कुमात्रिशक. पूनामात्र ॥ २ ॥
वदय ॥ एवचुकुम. अमी. को. रुयाय. स. चुंम. स. वि. स्ता. स. म. ग. व. स. कु. य. नि. स. य. न. वि. शी. ध. नि. गु. य. रा.
 अयमान. रुय. म. मा. त. गा. का. व. न. सिधयु. ॥ १ ॥ **व अद** ॥ शकुत्रिने. चुनक. अयकात्रयाक. डा. कुंठा. ग.
 रु. ना. रा. कार्य. म. सिधु. क. व. न. रा. ह. द. डा. मि. शा. नि. ति. द. व. न. दि. क. व. थ. थ. थि. ति. हा. पु. स. व. डा. ॥ ३ ॥
वयद ॥ अन. वा. ना. चु. न. न. म. ल. डा. दु. नी. ति. रिं. स. न. स. द. श. व. स. न. ग. द. व. या. र. कि. या. न. डा. मि. धि. द. यु.
 कुंठ. वि. ना. द. यु. द. सि. व. र. व. डा. ध. के. ड. न. ॥ ग. न. डा. पू. ना. मात्र ॥ ४ ॥ **वदव** ॥ रा. ग. या. आ. डा. व. चि

नादज अविस्वासाया कथं नमस्ते शक्रनाशक्या नत्रि का रुसिधयू माका वय वासविना सुखः
 वज्रनशानि नदवशा ५ ॥ वयव ॥ कुनचिगुर्वचनरुज उद गद ज क्कास नरु सुख रुवभज
 विस्वा समन ज अर्थविना पीगविना वधुर्विमी उवाक गुरुध्यान सति नदथा ६ ॥ ववद ॥ प्रो
 माका रुक्ष मरुभने गनु उपो गिया यधाय पीति मरुज मया न सा सिधिया गभा पाशं नाप आया हा
 कनरुशय देवपूजा मात्र त्रिध सुषरुश ७ ॥ ववद ॥ अतिश्रुता सयाव सशिद्ध माका नेन सि
 धयु वचनने न्यका नमसिधु अर्थहानि श्रुनाश दयुद षद ज त्रिध का रुसिधिरुश ८ ॥ ववश्रु
 तयुद कक्ष अमाका रु दिपथने नो मना मय मदी नत्रिगु अंदा वरुय म स्वा न हा रुशयन पं का रुसिधि
 ॥ ९ ॥ वयव ॥ वमनिशवान एपिदु कक्ष अमाका रु संपूर्ण कनरुश उथं ग मना गमन रुवभा
 धनना एदयु शक्रना स वय त्रिमद या क का रुसिधि सद्धम मान १० ॥ ववश्रु ॥ अत्र शवान पिदु कक्ष
 अमाका रु संपूर्णने एतप वभा शक्र का रुनाश कनरु न अ सिधिल नयान वि कन रुश ११ ॥

ववश्रु ॥ कसुवान यचु कस अस्ववधु मिमा कक्ष ताथाथं आम का रु गोग वपी द कसुश श दुरवश्रु
 ना अकाय कुचन रुवभा कु त्रिनेचु का रुसिधु सय मरु नो मरु ज उ सयदु अ पना गमन रुवभा
 ली राक्षन ॥ १२ ॥ ववय ॥ अरु ते विदु कक्ष थेका ज उ र्ज मरु ला सज त्रिना के पिठ नत गो या क का
 र्जता शला लप स तसिवा वनन धर्म विलत रुसिधयु कि ॥ १३ ॥ ववय ॥ विरु नयान अशुशवान
 यदु कक्ष यरु लति स वि क सि न रुव क मथ्य रुज मा का र्थ मिता रु न रुश ॥ १४ ॥ ववय ॥ एचु कस
 कुनचिरु स वज्रन पना द व वद न रुवद य र्ष कु ना मया आ नदयु अ नर्थन का रुना मरु न सा स
 स वभा मा व क रुश कुन रा ग्य द ज ॥ १५ ॥ ववश्रु ॥ सहित सिधु मवयो वेस रु क रा न पाप कर्मयो
 यरा न प रु न वि रु क्षा स द श व ज्ञाय म माल ॥ १६ ॥ ययय ॥ अ व तथ का र्थ सि धु द व वा
 यया गभा स प गिला याय व शक्र ना म रु यिग धन पूरु रा ग सुख ला उ व पा ना हा न भति
 लद व थया विना ॥ १७ ॥ यदद ॥ कुनचिरु समरु रु त्रि ला ग ला ग न या व भज पति स्य नदवः

विव. विष्णुसमव. लि. (धसि धं ॐ) हलु मया क श लो धन धान्य जल स घा न द ज. देव य जामा
 ल ॥ ३ ॥ यज ॥ क न थ ज द र्व. द ज द व र य. देव ता य जामा ल. म न व न भ हान व द हि. रु द य भ
 ज न ग वि ना द ज. द ४ ख भ कि श लो. ज ज न लि क ल्य श य ॥ ३ ॥ यज ॥ का र्थ स त्व न सि द्ध व य
 न्या का र्ते ग ग्य म द. ध क इ त्व ग य म न व ४ गु त या ग ज द य. ला य न क या ज जी द. मू क श लो ग द
 य जामा ल. या हा वा वा हा ल जिय ज ॥ ४ ॥ यव द ॥ थ का र्ज ति ता म न श या व. म सि ध. रु ता य क
 या ग सा सि ध. (ध) क ड व ग श लो. कि का य. आ दि न ता स श या ज. द र्व म द. हि द ता य ला गो. दे व
 ल य धं व त. स्व य म त्व रु ति वा य ॥ ५ ॥ यद य ॥ थ का र्ज सि द्ध य जो को ग द. य न्य रु ल न सि द्ध ॐ नः
 र्व क न क न म सि ध लो. म व द्वा ल न भ द सि ध य. द ल पा वि. ज ग स गि ल द व ॥ ६ ॥ यद य ॥ थ का
 र्थ स सि ध य ला. म सि ध ला ध क विल्य श लो. रु न लो ला द ज सि ध ॐ ज थ ला रु आ गो ला ला यो दि
 ग थ ज धि मि ता व ल ला क. ज जि धू शी ॥ ७ ॥ यज द ॥ स द रु ता ल गि स य मि ता य रु ता. गु मि सा

सि मा. अ र्थ ला रं र. रु न म न स वा रु (ध) सि द्ध य श लो. य ता य. स्व य स भ त्व ॥ ८ ॥ यव व ॥ अ म का र्ज म
 व न या य ध कं ता द. रु न वि गु न य मा त्र. म सि ध य द व का र्ज ग ज ध न थ ज रु न ज ना य ला ना जो यी जी स
 व न द य ॥ ९ ॥ यव य ॥ अ म का र्थ या या रं म य. प रो क म द. त्रि थ या य न यी व थ को थ ज ना गु दि
 चि ना भा व व सु क र्म ग म द जे त्रा गि स मी उ य न रु द ॥ १० ॥ यद ॥ अ र्थ चि ना यो क ला य मा न
 मा म चि ना या क. त्री थ सि धी यो क य ज. मि षा स्या क रु क द ज. थ का र्ज न रु स र्ग त्र ग व य ॥ ११ ॥
 यय व ॥ ए व य द्ध क. अ म का र्ज क न दि पं ज. रु थ स्व य द य क म न च्छा त्रा ए न क. रु त रु ले या न रु सि
 ध य. स द रु म मा न ॥ १२ ॥ थ का र्ज म हा क चि न. म व न या का त रा. रु त या य मा न. अ थ सि धि श. रु
 त्व स र्ग म द. ग थ स घा न द. सूर्या पू जामा न सि ध य ॥ १३ ॥ यद व ॥ थ का र्ज चि क न म द यो व म न सि क र्थ
 रु त न सि ध य. स्व रु न थ ज धि चि क य त रु या ज चो द. र्व थं त्रा रु द या ज. त्री थ सि ध ॐ ज. रु ता स म न ज ॥
 ॥ १४ ॥ यज य ॥ थ का र्ज म हा क चि न. रु ग ग ध वा रं वा रं या ना. म सि ध नि अ र्थ स्व रु न चि ना ध न या

पिकात्रनद्रिथिगङ्गागङ्गायुवमिगुउमद॥ १५ ॥ यवञ्च ॥ विकत्रशवलापचुकशवनसच
गुणिशउथंश्रीदिनमद्रिथिकादिनेखचिनउशत्रखचिननिलगतत्रशकुत्रिनदाययातगम
नाममनशत्रेगयाककोशनाशगाकात्रनशमिधयुव॥ १६ ॥ ददद ॥ सित्रगीमायचुकशमृमा
काशनिशंगानशयतनाजकायवैववृक्षाहथंकाशमिधवमनसुखशयुवगमनीगमनरु
त्रसाभकुयावसशयमगवविश्वरवमगजशत्रो॥ १ ॥ दयद ॥ श्रुनेशनपदनेपचुकसश्रुम
काशरुनूमेतधशउथंमवननसत्रपासदगमनागमनरिदषसुमिगुपथात्रिसपन
शनैवत्रधायुसदहसम्वारे॥ २ ॥ ददश्रु ॥ एवचुकसश्रुमकाशदित्रसानशउथंसुग
धवासुखयाकेउपायथमधकशयुषसषामसानयकविगुयकचितयाकनसिधय॥ ३ ॥
दयय ॥ चूननडागुत्रिगायनतिनिमाकवमेत्रिकायुवचूनसगापदयीजगनसपुशाय
गसासिधशवनिरय॥ ४ ॥ ददश्रु ॥ थकाशमिधयुशयचुदइसानिशत्रश्रवस्यनोद

जमहादवपुतासात्रनूदत्रसयात्रद॥ ५ ॥ दश्रुद ॥ थकाशसाधशयुमखदाचूनगनासु
त्राद्वयश्रुदिकेदगाशत्रयायमम्वारमसिधवाधवेनापत्रो॥ ६ ॥ दयव ॥ चूनकाशश्रुनगमजिनयादीमजिनशकुदवधेकायमखजशत्रयावसिध
रुशमत्रजानसात्राहचुसदशचूनकूत्रमउमात्रस्याकद॥ ७ ॥ दयश्रु ॥ थकाशसमनग
कतकनचोषवियथमविशत्रयाकावसव॥ ८ ॥ ददव ॥ थकाशमहाकचिनंशत्रयायसुमान
नभान्यत्रुवाहदयुशकुश्रमयदव॥ ९ ॥ ददव ॥ थकाशमहाकचिनंशत्रयायसुमान
मवयानिमितिनइषमियमगजगनसपुशामात्रसाधनधन्यसफीप्राफिशयद॥ १० ॥
ददद ॥ थकाशमिधवाचितयाजश्रुनगवसुकमिधत्रगहमहिदशवित्रवशनचुश्रुनास
चाजश्रवनत्रिचूनसुषशनी॥ ११ ॥ ववव ॥ थकाशसमृथनहदवयाकाशतनकवशकुइविना

20

15

10

5

नकुचद, शोषद, नूदानविय, वसुविय, होजनक, क्षान्ति ॥ १७ ॥ रुमिस, धूत्र, न, श्रद्धा, य, ग, गी, श, स, क, स, व, द, प, र्व, स, न, द, व, न
य, श्रद्धा, ग, श, क्ष, मि, क, रा, उ, द्वा, व, त्री, विय, हो, मया, य, सा, रु, मि, त्र, दान, विय, पा, थ, या, त, क, हो, जन, क, क्षान्ति ॥ १८ ॥ थ, श, स
त्रि, य, क, य, म, ष, नि, ग, रु, म, सि, मा, या, नि, पा, दान, दायू, वि, ग, ह, न, ला, दा, श, म, उ, रू, य, पू, रा, न, द्वा, थ, या, क्षान्ति, सि, र, र, व, त्रा
स, वा, क, त, या, व, द, थ, स, त्र, ग, य, वा, क्ष, न, या, त, दान, विय, क, क्षान्ति ॥ १९ ॥ म, न, य, ध, नी, स, क, उ, शी, वा, वृ, न, ना, श, ग, थि, न, ध, व, सा
रा, वृ, कि, सि, व, रा, ज्ञ, न, ग, नू, य, वृ, य, श, नि, रा, या, म, रि, न, थ, या, क्षान्ति, हो, मया, य, नू, दान, विय, क, स, प, रा, वा, क्ष, न, रा, जन, क
॥ २० ॥ म, व, क्ष, म, नू, य, म, त्रि, र, स, शि, मा, क, त, सा, ध, न, रू, य, श, गि, रू, य, म, उ, रू, य, थ, या, क्षान्ति, वा, वि, विय, प, व, ग, वान, स, क
हि, न, हा, य, ता, य, ज्ञ, क, त, न, हा, य, नू, य, पू, रा, या, य, वा, क्ष, न, रि, चू, या, त, दान, विय, धृ, त, पा, उ, स, त्र, थू, दा, श, का, य, न, दान, हो
जन, क, क्षान्ति ॥ २१ ॥ वृ, द, स, य, धा, त्र, ग, र, व, नि, ग, म, ह, ड, य, रू, रा, ग, म, उ, रू, य, रू, द, च्छि, न, द्वा, थ, या, क्षान्ति, ग, म, पा, य
दय, क, शि, म, १३, द्वा, न, का, हो, म, व, थ, दा, श, ध, व, रा, श, नू, थू, ना, श, दान, विय, पा, थ, या, य, म, हा, व, त्रि, विय, वा, क्ष, न, हो, जन
रू

क ॥ २२ ॥ रु, म, वि, सि, ना, शी, सा, म, हा, रा, गि, रू, य, द, च्छि, न, द्वा, थ, या, क्षान्ति, द्वा, वि, ग, श, ध, या, थं, क्षान्ति ॥ २० ॥ हो, म, त्र, नि, थ
प, ना, या, त्र, सि, यि, श, क, त, मा, न, या, क, दि, य, रू, श्र, दि, त, या, क, दि, य, रू, म, उ, रू, य, मा, म, व, वृ, मू, वा, ना, क, दि, य, रू, रु, स, रा, क
क्षान्ति, हो, मया, त, क, व, त्रि, विय, का, म, वा, ना, स, ति, म, दू, वा, कू, स, व, द, ति, मू, श, हा, न, त, या, श, दान, विय, वा, क्ष, न, हो, जन
न, क, क्षान्ति ॥ २१ ॥ रू, म, श, पू, रा, या, त्र, वा, त्र, स, म, स, रु, मि, क्षा, त्र, हि, म, श, सा, वि, श, त्र, श, क, त, मा, न, म, रु, दा, ना, न, द्वा
थ, या, क्षान्ति, हो, मया, त, क, दू, र्म, पू, रा, या, य, सा, दान, रु, मि, दान, लू, दान, ग, न, व, कू, या, य, मा, त्र, थू, न, न, सी, नि ॥ २२ ॥
वि, सि, ना, ची, न, ध, त्र, सा, रु, थू, न, म, रु, कू, दा, द, न, द्वा, क्षान्ति, मा, त्र, हो, मया, य, मा, त्र, प, रू, श, श्र, न, कं, सि, र, त्र, न, दय, का, श, थि, न, हो, म
त, या, श, का, प, त्र, न, पू, या, श, दान, विय, मा, त्र, र्चि, द्या, थ, या, क, मा, त्र, हो, जन, क, मा, त्र, क्षान्ति ॥ २३ ॥ क्ष, म, न, क, पा, त्र, स, क, त, क्षा, र्च, का
त्र, म, रु, थ, या, क्षान्ति, हो, मया, य, ति, थ, या, त्र, ष, थ, र्णी, कू, क्ष, पू, रा, ना, ग, पू, रा, आ, न, व, त्रि, विय, उ, ध, व, त्रि, या, त्र, विय, रु, य, या, त्र, व, त्रि, विय

0

5

10

15

20

25

30

35

यत्र कस्यपि स, यत्र यथायथं दाया, लब्धुं दाया, दानविय, सद्य विवृदा नविय, होतन कक्षानि ॥ २७ ॥ पूषा न स कचा घनसा
 यत्र मून मयया अचानक्ष घनसामृक् रुयिषा, अक्षामा कन कयिषा, स्रवान कक्षानि हो मया न क, दा न द्वि, आह विय क, होत
 न क, यत्र नक्षानि ॥ २८ ॥ महाविन वक्ष्य, यत्र स्रवान या यात्र स, रत वृत्रक्ष, महिद, नाय कक्षामृक् रुयू, धया क्षानि, च
 दिपथ न यात क, इगा पूषा याय, दानविय, रवे गी तान ह, नाडा दानविय, वास्तन या नूदा नविय क्षानि ॥ २९ ॥ देव न स थ
 इत, कस्य थक्ष, कखन स्रवा त सा, यत्र कृत्य, अत्र न कत्र वरक्षायिषा, कया पूर्व स क स्रवा त सा, विगुहन स्रवा यमात्रिषा
 अत्र न स्रवा त सा, मिनयूय रुमिद न रु, दक्षिण स्रवा त सा, कथू मृक्, नेरी त स्रवा त सा, सस्र, अक्ष या तय, पक्षि स स्रवा त सा
 घन स्रवा यि, वायि वा त्रवा त सा, पूष मृयिषा, उग्र वा त्रवा त सा, घन स्रवा यिषा, अक्षान वा त्रवा त सा, महा वा गि कयिषा, मक्ष वा त्रवा त सा
 मक्ष वा त्रवा त सा, कस्य मृक् रुयू, धया क्षानि, महा वरी क स पूषा, विरुद्व वा त्रवा त सा, यत्र पून या दाया, अह न, कथं दन क स
 सिधं यदा वत स, मया क, मिय वत रा, स्रव स, यत्रि स्रवा त सा, मया क उचं, सिकदय, मिद न रु, नाना उचद रुयू, वरि विय, वाह्या दाया वरि तय, वाक्या धा म, रित नान स्रवन यक्ष
 वरि स्रवन यक्ष, यत्र वरि कया धया य, मित वा ता स्रवा त थदा न दान विय, कसा गा विय मा त्रि, अत्रा यया त दक्षिण विय थ।

शुभ्राय मधुसूतय लूप्यवगवनदाय जयिकाधूपदिय गीमूनादियूजाथवत्रिंशत्वेभन ताकथनराययाकाश क
 वस्वहायाश मिश्राय कृतस्वरादथासपचगवनदायमात्र कुसयात्रवनदायमात्र नडात्रपू ११ पूसाय कास्व
 वत्रिंशदाय दक्षिणात्र सिद्धत्रस्वरासथत्रथकाश दानविय द्वाभन रिचु आचार्यानात्र वस्तुदानविय थनत्रिवत्रि
 आतककाय संगहाजनकथनयात्रकाश सातेशयूमंगत्रयू ॥ २१ ॥ कसमसा नथशत्रु विहीवरुन थशत्रु तापि
 नात्रुतावूनसा काययाकदियिअ खनानकाशयिअ धनदुयदु थनयापाथचदिया ० चन्द्रविन्दुदान वसवातास
 वाकुदथकाश वत्रिविय हाजनकक्षाकिशत्र ॥ २० ॥ सयहयिअ विगन्ना कावायाकदियदु लक्ष्मिनकाशकि
 याय हासयाय चन्द्रविन्दुदान त्रुदक्षिमहावत्रिविय पचपदानपूजा हाजनकक्षाकि ॥ २२ ॥ नगरसथशत्रु गामस
 थशत्रु वरकूमजान्ना उजायिअ श्रुपूर्वयन्त्रिआयि दसयानायकसमृद्धयू खनानकासाकि हासयायः
 कसपूजा तासूपायसदृगतायाअ वसजनपूयाअ दानविय हाजनकमानथनक्षानि ॥ ३० ॥ कसथशत्रु थडा

श्रुत्वा मन्दत्रसहस्रिकं यः सूर्या चन्द्रगुरुन मरुतमन्दत्रमहावायूनि ध्यात्तु तस्मात्कुरुत्रकविमर्षिपाषाण
नविषिधूमकात्रादिद्वारानानाउत्पन्नशत्रुं ॥ अथ श्रीगन्धर्वप्रतिपादितवाधिनानाशोभाशय ॥ इति
कनकाविग्रहश्रुत्याक्रियश्रुत्यपूष्यरुद्रश्रुत्यविषिज्ञानाद्युक्तवर्णविदा कृष्णविपासाकार
श्रुतिविमर्षमहाश्रुतिरयं जन्मस्वक इष ॥ कथाकृतसिन्धुगणकनमहावायूमहाशब्दरुद्रपत
पवननानाश्रुतवियू ॥ वायुमन्दत्रनानाउत्पन्नशत्रुद्विकृजन्मकृतश्रुतिवर्षिपाषा
विषिमहावायुनगुरुपाकात्रदवकृतवृक्षकृष्णगिरिज्ञानादिहृन्धर्मनवक्रिमादिभूतसहस्रना
नविग्रहवीरव्याघ्रसूर्यादिरयंकननादिज्ञानविदा कृष्णविपासावाधिविदा गणपतन ॥ इष
कृत्युश्रुत्वा मन्दत्रसहस्रिकां नानाश्रुतशय ॥ वायुमन्दत्रमनानाउत्पन्नशत्रुद्विकृक्रमेव
हक्रियरुद्रपूष्यश्रीगन्धर्वसुवर्षिवरुसहस्रपूजवति सिन्धुविदासवृक्षकृतिवर्षिनाशविग्रहविनाश

स्वायियाक्षय, आयितंग, कीट सर्व, सत्रि, स्यादिनाश ॥ नाना गुरु वियु ॥ ॥ माह उर्न दन क्षाना उर्य
तक्षत्र, पक्षासप्त, सप्त, सप्त, आराग्य, गुरु, विह, क्षा, रुत, पूषा, निर, वधि, सुवधि, हव, पायति, वि
पादि, स्वस्व, धर्मा, वद, रु, गत्र, त, शुद्ध, दव, द्वि, सु, शुद्ध, वक, ना, वि, तय, शंति, वि, तय, नाना, गुरु ॥
॥ नति, उ, त्या, त, रुत, न, पात्र, स, दन, स, रुत ॥ ॥

मानदास सुगत ताराया संकलन
बासा सफू-कथियात उपहार !

